

हरियाणा में हीटवेव

चर्चा में क्यों

हाल ही में [भारत मौसम वजिज्ञान विभाग \(IMD\)](#) ने हरियाणा में हीटवेव की स्थितिकी संभावना का संकेत देते हुए "येलो" और "ऑरेंज" अलर्ट जारी किया है।

मुख्य बद्दि:

- हीटवेव, चरम गरम मौसम की लंबी अवधि होती है जो मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।
 - भारत एक उष्णकटिबंधीय देश होने के कारण विशेष रूप से हीटवेव के प्रतऱधिक संवेदनशील है, जो हाल के वर्षों में लगातार और अधिक तीव्र हो गई है
- भारत में हीट वेव घोषति करने के मानदंड:
 - मैदानी एवं पहाडी क्षेत्र:
 - यदकिसी स्थान का अधिकतम तापमान मैदानी इलाकों में कम-से-कम 40 डगिरी सेल्सियस या उससे अधिक एवं पहाडी क्षेत्रों में कम-से-कम 30 डगिरी सेल्सियस या उससे अधिक तक पहुँच जाता है तो इसे हीटवेव की स्थति भाना जाता है।
 - हीट वेव के मानक से वचिलन का आधार: वचिलन 4.50 डगिरी सेल्सियस से 6.40 डगिरी सेल्सियस तक होता है।
 - चरम हीट वेव: सामान्य तापमान स्तर से वृद्धि >6.40 डगिरी सेल्सियस हो।
 - वास्तवकि अधिकतम तापमान हीट वेव पर आधारति: जब वास्तवकि अधिकतम तापमान ≥ 45 डगिरी सेल्सियस हो।
 - चरम हीट वेव: जब वास्तवकि अधिकतम तापमान ≥ 47 डगिरी सेल्सियस हो।
 - यदएक मौसम वजिज्ञान उपखंड के भीतर कम-से-कम दो स्थान लगातार दो दिनों तक उपरोक्त तापमान स्थतिबिनी रहती है, तो अगले दिन इसकी घोषणा की जाती है।
 - तटीय क्षेत्र:
 - जब अधिकतम तापमान वचिलन सामान्य से 4.50 डगिरी सेल्सियस अथवा इससे अधिक होता है, तो इसे हीट वेव कहा जा सकता है, बशर्ते वास्तवकि अधिकतम तापमान 37 डगिरी सेल्सियस या अधिक हो।